

अनिषेचता वि. (तत्.) [अ+निषेच्यता] वन. एक ही पौधे में पुष्प में स्वपरागण होने पर भी निषेचन एवं बीज उत्पन्न न होने की स्थिति विलो. निषेच्यता।

अनिष्ट वि. (तत्.) 1. जो इष्ट न हो, इच्छा के प्रतिकूल, अवांछित 2. बुरा पुं. (तत्.) अमंगल, अहित, हानि।

अनिष्टकर वि. (तत्.) अनिष्ट करनेवाला, अहितकारी, हानिकारक, अशुभकारक।

अनिष्टकारी वि. (तत्.) दे. अनिष्टकर।

अनिष्ट-ग्रह पुं. (तत्.) [ज्योतिष] [अन. + इष्ट] 1. जन्म कुंडली में स्थित वे ग्रह जो स्थान, भाव-दृष्टि आदि के संबंध से जातक के लिए अशुभकारक होते हैं 2. पापग्रह विलो. इष्टग्रह।

अनिष्टपरिहार नियम पुं. (तत्.) विधि या अधिनियम के निर्वचन का वह सिद्धांत जिसके अनुसार प्रस्तुत अधिनियम की व्याख्या ऐसी की जानी चाहिए कि जिस अनिष्ट के निवारण के लिए वह अधिनियम बना है, उसका निवारण हो सके। mischief rule

अनिष्ट प्रसंग पुं. (तत्.) 1. किसी अशोभनीय बात या घटना का संदर्भ 2. किसी अप्रिय बात की चर्चा 3. किसी दुःखद या बुरी घटना या अनुचित विषय की वार्ता।

अनिष्ट फल पुं. (तत्.) अवांछित परिणाम, विषम फल।

अनिष्ट शंका स्त्री. (तत्.) [अनिष्ट-शंका] 1. किसी प्रकार का बुरा होने का भय 2. कोई अशुभ या अमंगल होने का डर।

अनिष्टसूचक वि. (तत्.) अनिष्ट की सूचना देने वाला, अनिष्ट का द्योतक।

अनिष्टहेतु पुं. (तत्.) अनिष्ट होने के सूचक अपशकुन, बुरा लक्षण।

अनिष्टाप्ति स्त्री. (तत्.) [अनिष्ट+आप्ति] 1. किसी को अनिष्ट की प्राप्ति होने की स्थिति 2. बुरा होने की स्थिति 3. दुर्भाग्य की प्राप्ति।

अनिष्ठा स्त्री. (तत्.) 1. किसी के प्रति निष्ठा का अभाव 2. श्रद्धा व विश्वास का न होना, विश्वासघात 3. ईमानदारी न होना।

अनिष्ठुर वि. (तत्.) 1. जो कठोर न हो, जो निर्दय न हो 2. दयावान, कोमलमना।

अनिष्पत्ति स्त्री. (तत्.) [अ+निष्पत्ति] 1. किसी कार्य के निष्पादन न होने की स्थिति 2. (किसी कार्य का) पूरा न होना, निष्पन्न न होना।

अनिष्पन्न वि. (तत्.) [अ+निष्पन्न] 1. जो (कार्य) निष्पन्न न हुआ हो 2. असिद्ध जैसे- अनिष्पन्न कार्यक्रम।

अनिस्तीर्ण वि. (तत्.) 1. जिसे छुटकारा प्राप्त न हुआ हो जैसे- किसी अभियोग या ऋण आदि से 2. जो पार न किया गया हो।

अनी स्त्री. (तद्.) 1. कोर, नोक, किनारा 2. नाव या जहाज का आगे का सिरा 3. मस्तक, माँग 4. जूते की नोक 5. समूह, दल, झुंड, सेना 6. मर्यादा 7. खेद, ग्लानि।

अनीक पुं. (तत्.) 1. सेना, युद्ध, समूह, पंक्ति 2. युद्ध।

अनीकिनी स्त्री. (तत्.) सेना का एक प्रकार जिसका बल अक्षौहिणी सेना के दसवें भाग के बराबर होता है, सैन्य दल, सैन्य पंक्ति।

अनीच वि. (तत्.) 1. जो नीच न हो 2. उत्तम, आदरणीय।

अनीड़ वि. (तत्.) 1. बिना घोंसले का 2. आश्रयहीन, जिसका अपना आवास न हो।

अनीत वि. (तत्.) [अ+नीत] 1. जो किसी के द्वारा ले जाया न गया हो जैसे- अनीत पुष्प, अनीत शिशु, अनीता (स्त्री) अनीता कन्या/माला 2. अनीत (स्त्री.) 1. नीति विपरीतता, नीति विरुद्ध 2. अनुचित आचरण 3. अन्याय 4. अनैतिकता दे. अनीति

अनीति स्त्री. (तत्.) 1. अन्याय, अत्याचार, अंधेर, नीति के विपरीत 2. दुष्टता।